

## आन वसो नंदलाल

आन वसो नंदलाल, मेरे सुने मंदिर में ॥

छाया जिस में, घोर अँधेरा ।  
तुम आओ तो, होवे उजियारा ।  
तुम बिन, है सुनसान, मेरे सुने मंदिर में,,  
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

घण्टे और, घड़ियाल नहीं है ।  
सामग्री का, थाल नहीं है ।  
मोह माया, का है जाल, मेरे सुने मंदिर में,,  
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मेरा मन, दर्वेश नहीं है ।  
बगुले जैसा, भेस नहीं है ।  
प्रेम का है, यह हाल, मेरे सुने मंदिर में,,  
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

कान्हा मेरे, मंदिर आना ।  
मेरे हाथों, भोग लगाना ।  
आना, हो के दयाल, मेरे सुने मंदिर में,,  
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,  
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19159/title/aan-vaso-nandlal>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |